आजादी का अमृत महोत्सव
के अवसर पर
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर
मे
आयोजित कार्यक्रम एवं गतिविधियां
जून- जुलाई 2022

- 05/06/2022विश्व पर्यावरण दिवस पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया।

21/06/2022अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में कुलपति के नेतृत्व में हुआ योगाभ्यास।

मंगलवार को सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु में शिक्षकों के साथ योग करते कुलपति प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव। • हिन्दुस्तान

विश्वविद्यालय में कुलपति की अगुवाई में योगाभ्यास

- योग दिवस के मौके पर प्रशिक्षकों ने कराया योग, बताए फायदे
- बच्चों, शिक्षकों, पुलिस जवानों व बुजुर्गों में योग करने की दिखी ललक

सिद्धार्थनगर, निज संवाददाता। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रो. हरि बहादुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में योगा कार्यक्रम हुआ। इस दौरान शिक्षकों में गजब का उत्साह दिखा। कुलपति ने कहा की योग वैश्विक स्वरूप ग्रहण कर चुका है। योग के माध्यम से न केवल संपूर्ण भारत स्वास्थ्य एवं संपन्न हो रहा है, अपितु संपूर्ण विश्व योग के माध्यम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है।

कुलसचिव राकेश कुमार ने कहा कि योग से तो मनुष्य निरोग होगा ही इससे मानसिक विकास भी बहुत तीव्र गति से होता है। वित्त अधिकारी अजय सोनकर ने कहा कि योग करने के लिए किसी भी उम्र के लिए कोई बाधा नहीं है। डॉ. सत्येंद्र दुबे, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, प्रज्ञेस नाथ त्रिपाठी, डॉ.जय सिंह यादव, डॉ. विनीता रावत, डॉ. कपिल गुप्ता, दीनानाथ यादव, शेख अंजुम, अतुल रावत, सत्यम दीक्षित, रामप्रसाद, कमलेश कुमार, रामनिवास शामिल थे। कलक्ट्रेट परिसर में भी योग कार्यक्रम हुआ।

इस दौरान प्रशिक्षक की ओर से प्रतिभागियों को योग कराकर उसके फायदे से अवगत कराया। शहर स्थित केंद्रीय विद्यालय में प्रभारी प्राचार्य अश्विनी राय की अगुवाई में बच्चों के साथ योग कार्यक्रम हुआ।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हुआ योगाभ्यास

सिद्धार्थनगर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंगलवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी अजय सोनकर, डॉ सत्येंद्र दुबे, डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. प्रज्ञेस नाथ त्रिपाठी, डॉक्टर जय सिंह यादव, डॉ विनीता रावत, डॉ कपिल गुप्ता, दीनानाथ यादव, शेख अंजुम, अतुल रावत, सत्यम दीक्षित, रामप्रसाद, कमलेश कुमार, रामनिवास सहित शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा की आज योग वैश्विक स्वरूप ग्रहण कर चुका है। योग के माध्यम से न केवल संपूर्ण भारत स्वास्थ्य एवं संपन्न हो रहा है, अपितु संपूर्ण विश्व योग के माध्यम से उन्नति

के मार्ग पर अग्रसर है। योग वैश्विक सहयोग का मुख्य स्तंभ बन गया है ।योग के माध्यम से मानसिक उन्नति के साथ साथ मानवता का कल्याण भी संभव है। सरकार की दृढ़ इच्छाशक्ति का परिणाम है कि आज योग घर से निकल कर जन जन तक व्याप्त हो गया है। कुलसचिव राकेश कुमार ने कहा कि योग से तो मनुष्य निरोग होगा ही इससे मानसिक विकास भी बहुत तीव्र गति से होता है। शिक्षण संस्थाओं में नियमित योग के माध्यम से स्वास्थ्य परिसर को निर्मित किया जा सकता है। वित्त अधिकारी अजय सोनकर ने कहा कि योग करने के लिए किसी भी उम्र के लिए कोई बाधा नहीं है। सभी को नियमित योग करना चाहिए। योग से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य ठीक होगा परंतु मानसिक विकास भी निरंतर होता रहेगा। इससे पूर्व दूरदर्शन पर प्रसारित प्रधानमंत्री के योग कार्यक्रम को सभी ने देखा और योगाभ्यास किया।

योगा करते कुलपति व शिक्षक।

संपूर्ण विश्व योग के माध्यम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है : कुलपति

कपिलवस्तु। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मंगलवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव के नेतृत्व में योगाभ्यास कार्यक्रम संपन्न हुआ। योगाभ्यास कार्यक्रम में कुलसचिव राकेश कुमार, वित्त अधिकारी अजय सोनकर, डा. सत्येंद्र दुबे, डा. अविनाश प्रताप सिंह, डा. प्रज्ञेस नाथ त्रिपाठी, डाक्टर जय सिंह यादव, डा. विनीता रावत, डा. कपिल गुप्ता, दीनानाथ यादव, शेख अंजुम, अतुल रावत, सत्यम दीक्षित, रामप्रसाद, कमलेश कुमार, रामनिवास सहित शिक्षक कर्मचारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कुलपति प्रोफ्रेकर हरि बहादुर श्रीवास्तव ने कहा की आज योग वैश्विक स्वरूप ग्रहण कर चुका है। योग के माध्यम से न केवल संपूर्ण भारत स्वास्थ्य एवं संपन्न हो रहा है, अपितु संपूर्ण विश्व योग के माध्यम से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर है। कुलसचिव राकेश कुमार ने कहा कि योग से तो मनुष्य निरोग होगा ही इससे मानसिक विकास भी बहुत तीव्र गति से होता है। शिक्षण संस्थाओं में नियमित योग के माध्यम से स्वास्थ्य परिसर को निर्मित किया जा सकता है। वित्त अधिकारी अजय सोनकर ने कहा कि योग करने के लिए किसी भी उम्र के लिए कोई बाधा नहीं है। सभी को नियमित योग करना चाहिए।

हिन्दुस्तान | www.live

विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के अवसर पर पौधारोपण एवं स्वच्छता जागरण अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम हुआ। इसमें पीपल, बेल और अन्य औषधीय पौधों का रोपण किया गया।

शनिवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी पौधारोपण कर स्वच्छता अभियान में भागीदारी की। इस मौके पर विवि के मुख्य नियंता प्रो. दीपक बाबू ने कहा की प्रत्येक व्यक्ति को इस धरती पर पौध लगाना चाहिए। लगे हुए पौधों का संरक्षण अपने परिवार के सदस्यों की तरह ही करनी चाहिए। जितना अधिक वृक्ष होंगे उतना ही स्वस्थ यह जगत होगा। विवि के मीडिया एवं जनसंपर्क अधिकारी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला प्रमुख डॉ. अविनाश प्रताप सिंह ने कहा कि पौधारोपण को सामाजिक अभियान के रूप में चलाने की जरूरत है।

11/07/2022विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में 'जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्यान्न सुरक्षा 'विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस पर आयोजित हुई संगोष्ठी

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में अंग्रेजी विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस पर सोमवार को जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्यान्न सुरक्षा विषयक संगोष्ठी का आयोजन कला संकाय के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में विश्व में बढ़ती आबादी को एक बड़ी समस्या बताते हुए इससे उपजे विश्व खाद्यान्न संकट से छात्रों को भी परिचित कराया गया।

उक्त अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर हरीश शर्मा अधिष्ठाता कला संकाय ने अपने वक्तव्य में कहा कि जनसंख्या की वृद्धि दर उपलब्ध संसाधनों की वृद्धि दर से जब अधिक होती है तो उसे जनसंख्या विस्फोट कहा जाता है। लोक प्रशासन विभाग के डॉक्टर रवि कांत शुक्ला ने प्रसिद्ध समाजशास्त्री नोटेस्टीन व थॉम्पसन का उल्लेख करते हुए बताया कि जब जनसंख्या में 2त्न से अधिक वार्षिक वृद्धि दर हो तो यह एक विकराल समस्या बन जाती है। यह प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह जनसंख्या को नियंत्रित करने के प्रति अपनी जिम्मेदारी सुनिश्चित करे।

प्रारंभ में विषय प्रवर्तन करते हुए अंग्रेजी विभाग के प्रभारी डॉक्टर हृदय कांत पांडेय ने टी आर माल्थस को उद्धृत करते हुए कहा कि जनसंख्या में गुणोत्तर अनुपात से वृद्धि हो रही है। तात्पर्य यह कि यह वृद्धि 1,2,4,8,16 की तरह से हो रही है जबकि खाद्यान्न की उपलब्धता अंकगणितीय अनुपात 1,2,3,4,5 के अनुपात में हो रही है ।अपने अध्यक्षीय संबोधन में लोक प्रशासन विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ सुनीता त्रिपाठी ने जनसंख्या विस्फोट को वैश्विक समस्या बताते हुए उसे नियंत्रित करने हेतु कानून बनाए जाने पर बल दिया।

प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद चौबे ने अपने उद्बोधन में कहा कि जनसंख्या वृद्धि ने हमेशा ही असंतुलन की स्थिति पैदा की है जिसने इतिहास को प्रभावित किया है। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ रेनू त्रिपाठी ने किया।राजनीति विज्ञान विभाग की डॉक्टर सरिता सिंह तथा इतिहास विभाग की डॉ वंदना गुप्ता ने भी अपने बहुमूल्य विचार व्यक्त किए। धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रदीप कुमार पांडेय ने किया। कार्यक्रम में डॉ अविनाश प्रताप सिंह सहित कई अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही।

15/07/2022सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अधिष्ठाता,कला संकाय के नेतृत्व में सम्पन्न हुई बैठक ।

सिद्धार्थ विवि मनाएगा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

शुक्रवार को सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करते प्रोफेसर।

सिद्धार्थनगर, निज संवाददाता। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु के अधिष्ठाता कला संकाय की अध्यक्षता में आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह कार्यक्रम की सफलता को लेकर शिक्षकों के साथ बैठक हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए अधिष्ठाता कला संकाय प्रो.हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि आगामी नौ अगस्त से 15 अगस्त तक आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बताया कि इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा एक पुस्तक संकलित कर प्रकाशित करने की योजना बनाई जा रही है। जिसमें भारत के गौरव और आजादी के महान सपूतों के जीवन गाथा से संबंधित तथ्यों का उल्लेख किया जाएगा।

उन्होंने सभी शिक्षकों से 20 अगस्त तक पुस्तक से संबंधित अपने शोध पत्र एवं लेख समिति को उपलब्ध कराने की अपेक्षा की है। आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव ने कहा कि आने वाली पीढ़ी विशेषकर विद्यार्थी भारत के गौरव गाथा से न केवल परिचित हो सके बल्कि उसकी अनुभूति भी कर सकें।

बलिदानियों की जीवनी को संकलित करेंगे सिवि के शिक्षाविद्

जागरण संवाददाता, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कला संकाय में शुक्रवार को शिक्षकों की बैठक हुई। आजादी के अमृत महोत्सव सप्ताह आयोजित करने पर चर्चा हुई। द्वितीय सेमेस्टर की कौशल विकास व आंतरिक परीक्षा संपन्न कराने की रूपरेखा तैयार की। विवि के प्रोफेसर बलिदानियों के जीवनी को संकलित करेंगे। इसे प्रकाशित करने पर विचार किया गया। स्नातक कला द्वितीय सेमेस्टर की आंतरिक परीक्षा 25 से 27 जुलाई को निर्धारित समय पर आयोजित होगी। कौशल विकास पाठ्यक्रम की परीक्षा 28 जुलाई को संपन्न होगी।

अधिष्ठाता कला संकाय प्रो. हरीश कुमार शर्मा ने कहा नौ से 15 अगस्त तक आजादी का अमृत महोत्सव सप्ताह मनाया जाएगा। इसमें विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। विवि की ओर से संकलित पुस्तक प्रकाशित करने की योजना बनाई जा रही है।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के कला संकाय भवन में अमृत महोत्सव के आयोजन की रूपरेखा तैयार करते शिक्षक ● जागरण

इसमें भारत के गौरव और आजादी के महान सपूतों के जीवन गाथा से संबंधित तथ्यों का उल्लेख किया जाएगा। 20 अगस्त तक पुस्तक से संबंधित अपने शोध पत्र एवं लेख समिति उपलब्ध कराना होगा। अमृत महोत्सव सप्ताह में आसपास के विद्यालय के बच्चों को परिसर में आमंत्रित कर उन्हें प्रतियोगिताओं में सहभागिता के लिए प्रेरित किया जाएगा।

पोस्टर, बैनर, लोकगीत, लोक साहित्य पर आधारित कार्यक्रम आयोजित कराया जाएगा। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डा. नीता यादव ने कहा कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के विद्यार्थियों को तैयार किया जाए। आजादी के गौरवपूर्ण इतिहास में सभी को प्रतिभाग करना चाहिए। आने वाली पीढ़ी को इतिहास की जानकारी होनी चाहिए। सत्येंद्र दुबे, डा. सुनीता त्रिपाठी, डा. सच्चिदानंद, डा. जयसिंह यादव, डा. रविकांत, डा. धर्मेंद्र, डा. मयंक कुशवाहा, डा. आभा द्विवेदी, डा. अविनाश प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

19/07/2022 शहीद मंगल पाण्डे की जयंती के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में हुआ संगोष्ठी का आयोजन।

मंगल पांडेय का वलिदान युवा पीढ़ी के आज भी है प्रेरणा स्रोत

यूथ इण्डिया संवाददाता

सिद्धार्थनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम मे इतिहास विभाग सिद्धार्थ विश्वविधालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर द्वारा शहीद मंगल पांडे की जयंती के उपलक्ष्य में, 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता आन्दोलन में अमर शहीद मंगल पांडे का योगदान विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बोलते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के नोडल अधिकारी डॉ सुनीता त्रिपाठी कहा कि आज़ादी की प्रारंभिक लड़ाई 1857 में ही प्रारम्भ हो गई थी जिसमे अमर शहीद मंगल पांडे का योगदान अविस्मरणीय है। भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणात्मक भी है। अपने जीवन को समर्पित करते हुए मंगल पांडे प्रथम स्वतन्त्रता आंदोलन को गति प्रदान करने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मंगल पांडेय का वलिदान युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रेरणा स्रोत है। मुख्य वक्ता दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के समन्यवक एवं इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ सच्चिदानन्द चौबे ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत मंगल पांडे राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के भविष्य की दिसे देने वालो में अग्रणीय हैं। मुख्य अतिथि के रुप में हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ रेनू त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के सिर्फ नायक के रुप में ही नहीं बल्कि उस धरा का मान बढ़ाया, जिस धरा को विश्व सिरमौर, वसुंधरा का गौरव, भारत माता, जहां पर देवता भी जन्म पाने के लिए तरसते हैं, इस पावन धरा पर जन्म लेने वाले प्रत्येक प्राणी की पुनीत अभिलाषा होती है कि मेरे देश की पावन भूमि स्वर्ग से भी सुंदर बनकर विश्व में सर्व श्रेष्ठ हो, मंगल पांडे ने इसका भरपूर इस्तेमाल कर हम सभी में सदैव देश हित में कार्य करने की आकांक्षा पैदा करने का कार्य किया। विशिष्ट अतिथि की भूमिका का निर्वहन करते हुए राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ सरिता सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के जननायक के रुप में स्वीकार करने वाले प्रत्येक कार्य को करने हेतु अपने प्राणों की आहुति देश हित में समर्पित कर दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में कला संकाय के अध्यक्ष प्रो हरीश कुमार शर्मा जी ने कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणात्मक है, जिस प्रकार उन्होंने अपने जीवन के इतने कम समय में देश हित में इतना बड़ा त्याग और बलिदान दिया वह सदैव चिर स्मरणीय होगा। कार्यक्रम में छात्र, छात्राओं द्वारा प्रतिभाग करते हुए अमर शहीद मंगल पांडे का देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में योगदान, के प्रति अपने विचार व्यक्त करते हुए यह स्वीकार किया गया कि हमें उस समय के ब्रिटिश सरकार के अत्याचार को सदैव याद रखते हुए अमर शहीद मंगल पांडे के प्रति हृदय में सदैव स्थान बनाए रखना चाहिए।

मंगल पांडेय का बलिदान युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत

कपिलवस्तु (एसएनबी)। आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम मे इतिहास विभाग सिद्धार्थ विश्वविधालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर द्वारा शहीद मंगल पांडे की जयंती के उपलक्ष्य में, 1857 के प्रथम स्वतन्त्रता आन्दोलन में अमर शहीद मंगल पाण्डेय का योगदान विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम बोलते हुए आजादी के अमृत महोत्सव के नोडल अधिकारी डा. सुनीता त्रिपाठी कहा कि आजादी की प्रारंभिक लड़ाई 1857 में ही प्रारम्भ हो गई थी जिसमे अमर शहीद मंगल पांडे का योगदान अविस्मरणीय है। भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणात्मक भी है।मंगल पांडेय का वलिदान युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रेरणा स्रोत है। मुख्य वक्ता डा. सच्चिदानन्द चौबे ने कहा कि मंगल पांडे राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर राष्ट्रीय आंदोलन के भविष्य की दिशा दी। मुख्य अतिथि हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डा. रेनू त्रिपाठी ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के सिर्फ नायक के रुप में ही नहीं बल्कि उस धरा का मान बढ़ाया, जिस धरा को विश्व सिरमौर, वसुंधरा का गौरव, भारत माता, जहां पर देवता भी जन्म पाने के लिए तरसते हैं विशिष्ट अतिथि सहायक आचार्य डा. सरिता सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद मंगल पांडे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के जननायक के रुप में स्वीकार करने वाले प्रत्येक कार्य को करने हेतु अपने प्राणों की आहुति देश हित में समर्पित कर दिया। अध्यक्षीय वक्व्य में अध्यक्ष प्रो हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि अमर शहीद मंगल पांडेय का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणात्मक है। छात्र कृष्णा प्रसाद सूर्याश ने भी विचार व्यक्त किया। संचालन डा. यशवन्त यादव , सहायक आचार्य, इतिहास विभाग, ने किया। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के सम्माननीय शिक्षक गण के साथ साथ सभी छात्र छात्रा मौजूद रहे। विशेष रुप में विश्व विद्यालय के छात्र अनुज उपाध्याय, रीमा जायसवाल, संघमित्रा राव, साधना कसौधन, हलता पाण्डेय, संध्या साहू, करन , अमीर, मुहम्मद हुसैन तथा विश्व विद्यालय के कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

> **अमर शहीद मंगल पाण्डेय का योगदान विषय पर आयोजित किया गया एक कार्यक्रम**

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रोफेसर सच्चिदानन्द चौबे, उपस्थित छात्र-छात्राएं। फोटो : एसएनबी

प्रेरणात्मक है अमर शहीद मंगल पांडेय का योगदान

जयंती

- सिद्धार्थ विवि में शहीद मंगल पांडेय की जयंती पर कार्यक्रम
- 1857 में ही शुरु हो गई थी आजादी की प्रारंभिक लड़ाई

सिद्धार्थनगर, वरिष्ठ संवाददाता। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में इतिहास विभाग की ओर से शहीद मंगल पांडेय की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आजादी के अमृत महोत्सव के नोडल अधिकारी डॉ.सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि आज़ादी की प्रारंभिक लड़ाई 1857 में ही शुरू हो गई थी। इसमें अमर शहीद मंगल पांडेय का योगदान अविस्मरणीय और भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणात्मक है।

उन्होंने कहा कि शहीद मंगल पांडेय ने प्रथम स्वतंत्रता आंदोलन को गति प्रदान करने में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। मंगल पांडेय का बलिदान युवा पीढ़ी के लिए आज भी प्रेरणा स्रोत है। दीन दयाल उपाध्याय शोध पीठ के समन्यवक एवं इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ.सच्चिदानन्द चौबे ने कहा कि प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत मंगल पांडेय राष्ट्र के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के भविष्य की दिशा देने वालों में अग्रणीय हैं। हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ.रेनू त्रिपाठी ने कहा कि अमर शहीद मंगल पांडेय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 के सिर्फ नायक के रूप में ही नहीं बल्कि उस धरा का मान बढ़ाया है। साथ ही हम सभी में सदैव देश हित में कार्य करने की आकांक्षा पैदा करने का कार्य भी किया। राजनीति विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सरिता सिंह ने कहा कि अमर शहीद मंगल पांडेय प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के जननायक के रूप में स्वीकार करने वाले प्रत्येक कार्य को करने के लिए अपने प्राणों की आहुति देश हित में समर्पित कर दिया।

प्रो.हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि शहीद मंगल पांडेय का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणात्मक है। उन्होंने अपने जीवन के इतने कम समय में देश हित में इतना बड़ा त्याग और बलिदान दिया वह सदैव चिर स्मरणीय होगा। इस अवसर पर डॉ. यशवंत यादव, अनुज उपाध्याय, रीमा जायसवाल, संघमित्रा राव, साधना कसौधन, स्नेहलता पाण्डेय, संध्या साहु, करन, अमीर, मुहम्मद हुसैन आदि मौजूद रहे।

मंगलवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की ओर से शहीद मंगल पांडेय की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी बात रखते वक्ता।

22/072022 झण्डा दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता एवं ध्वजारोहण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

आजादी का
महोत्सव
“हर घर तिरं

23/07/2022चन्द्रशेखर आजाद जयंती के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

चिरस्मरणीय है चंद्रशेखर आजाद का जीवन

- सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में मनाई गई अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती
- हम सभी देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है आजाद का जीवनपथ

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शनिवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग की ओर से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई।

सिद्धार्थनगर, वरिष्ठ संवाददाता। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत शनिवार को सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग की ओर से अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ.अमित कुमार साहनी ने कहा कि अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद का जीवन स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के रूप में चिरस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि आजाद बाल्यकाल से ही मन में प्रज्ज्वलित ज्वाला के साथ बड़े हो रहे थे। महज 15 वर्ष की आयु में ही वह देश पर सब कुछ न्योछावर कर दिए। जब आजाद स्वधर्म की स्थापना के लिए क्रांतिदूत के रूप में हाथों में शस्त्र धारण कर लिए तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उर्दू विभाग के सहायक आचार्य डॉ.अब्दुल हकीज ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक के रूप में युवाओं सहित संपूर्ण मानवता के आदर्श पुरुष व महान बलिदानी हैं।

हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ.जय सिंह यादव ने कहा कि आजाद का जीवन पथ हम सभी देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। डॉ.सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि आजाद का बलिदान और राष्ट्र समर्पण हम देशवासियों के लिए अनुकरणीय है। आजाद का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणात्मक है। उन्होंने अपने जीवन के इतने कम समय में भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से स्वतंत्र कराने के लिए, जो बलिदान दिया है उसका हर देशवासी हमेशा ऋणी रहेगा। इस अवसर पर डॉ.नीता यादव, डॉ.धर्मेंद्र कुमार, डॉ.यशवंत यादव, डॉ.आभा आदि मौजूद रहीं।

स्वतंत्रता संग्राम के नायक थे चंद्रशेखर आजाद

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में मनाई जयंती, योगदान पर हुई चर्चा

जास, सिद्धार्थनगर : सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग में शनिवार को बलिदानी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई। वक्ताओं ने जीवन पर प्रकाश डाला। स्वतंत्रता संग्राम में इनके योगदान पर चर्चा की। अंग्रेजी विभाग के डा. अमित कुमार साहनी ने कहा बलिदानी चंद्रशेखर आजाद का जीवन स्वतंत्रता सेनानी के इतिहास में चिरस्मरणीय है। वह बाल्यकाल से ही मन में प्रज्वलित ज्वाला के साथ बड़े हुए थे। मात्र 25 वर्ष की आयु में ही राष्ट्र के नाम प्राण न्यौछावर कर दिया। स्वधर्म की स्थापना के लिए क्रांतिदूत के रुप में हाथों में शस्त्र धारण कर लिए तो फिर उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। महिला अध्ययन केंद्र व मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डा. नीता यादव ने कहा वह स्वतंत्रता आंदोलन के नायक के किरदार को पूरा किया। उर्दू विभाग के डा. अब्दुल हफीज ने कहा स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक के रुप में मानवता के आदर्श पुरुष व महान बलिदानी हैं।

हिन्दी विभाग के डा. जयसिंह यादव ने कहा कि आजाद का जीवन पथ देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी डा. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद का बलिदान और राष्ट्र समर्पण अनुकरणीय है। उनका जीवन प्रेरणात्मक है, उन्होंने अपने जीवन के इतने कम समय में भारत को गुलामी की बेड़ियों से स्वतंत्र करने के लिए बलिदान दिया है, उसका संपूर्ण राष्ट्र ऋणी है। डा. आभा, डा. देवबख्स सिंह, डा. मयंक कुशवाहा, डा. सरिता सिंह, डा. वंदना गुप्ता, डा. अरविंद रावत आदि मौजूद रहे।

सिवि के इतिहास विभाग में चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर व्याख्यान देते शिक्षक ● जागरण

अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयंती

कपिलवस्तु (एसएनबी)। आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में इतिहास विभाग सिद्धार्थ विश्वविधालय कपिलवस्तु द्वारा अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य ड अमित कुमार साहनी ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद का जीवन स्वतन्त्रता सेनानी के इतिहास के रुप में चिरस्मरणीय था। मुख्य अतिथि समन्यवक महिला अध्ययन केंद्र एवं मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी ड नीता यादव ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्वंतत्रता आंदोलन के सिर्फ नायक के रुप में ही नहीं अपितु उस धरा का मान बढ़ाया जिस धरा को विश्व सिरमौर, वसुंधरा का गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति हँसते हँसते दे दी। विशिष्ट अतिथि उर्दू विभाग के सहायक आचार्य ड अब्दुल हफीज ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक के रुप में युवाओं सहित सम्पूर्ण मानवता के आदर्श पुरुष एवम महान बलिदानी है। हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य ड जय सिंह यादव ने कहा कि आजाद का जीवन पथ हम सभी देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है ।

अध्यक्षीय नोडल अधिकारी ड सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद का बलिदान और राष्ट्र समर्पण हम देश वासियों के लिए अनुकरणीय है । कार्यक्रम में धन्यवाद व आभार ज्ञापन का कार्य संस्त विभाग के सहायक आचार्य ड धर्मेन्द्र कुमार ने मिया।कार्यक्रम का संचालन ड यशवन्त यादव, ने किया। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के शिक्षक ड आभ द्विवेदी, डा. देवबख्स सिंह, ड मयंक कुमार कुशवाहा, डा. सरिता सिंह, डा. वन्दना गुप्ता, डा. अरविन्द कुमार रावत सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में मनाई गई अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद की जयंती

सिद्धार्थनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में शनिवार इतिहास विभाग सिद्धार्थ विश्वविधालय कपिलवस्तु सिद्धार्थनगर द्वारा अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद की जयंती के अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अंग्रेजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ अमित कुमार साहनी ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद का जीवन स्वतन्त्रता सेनानी के इतिहास के रुप में चिरस्मरणीय था। आजाद बाल्यकाल से ही मन में प्रज्जवलित ज्वाला के साथ बड़े हो रहे थे महज 25वर्ष की आयु में ही वह देश पर सब कुछ न्यौछावर कर दिया। जब आजाद स्वधर्म की स्थापना हेतु क्रांतिदूत के रुप में हाथों में शस्त्र धारण कर लिए तो फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। मुख्य अतिथि समन्यवक महिला अध्ययन केंद्र एवं मिशन शक्ति

की नोडल अधिकारी डॉ नीता यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्वंतत्रता आंदोलन के सिर्फ नायक के रुप में ही नहीं अपितु उस धरा का मान बढ़ाया जिस धरा को विश्व सिरमौर, वसुंधरा का गौरव के लिए अपने प्राणों की आहुति हँसते हँसते दे दी। विशिष्ट अतिथि उर्दू विभाग के सहायक आचार्य डॉ अब्दुल हफीज ने अपने वक्तव्य में कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक के रुप में युवाओं सहित सम्पूर्ण मानवता के आदर्श पुरुष एवम महान बलिदानी है। हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य डॉ जय सिंह यादव ने कहा कि आजाद का जीवन पथ हम सभी देश वासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है ।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी डॉ सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि अमर शहीद चन्द्र शेखर आजाद का बलिदान और राष्ट्र समर्पण हम देश वासियों के लिए अनुकरणीय है । आजाद का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणात्मक है, जिस प्रकार उन्होंने अपने जीवन के इतने कम समय में भारत माता कोगुलामी की बेड़ियों से स्वतंत्र करने के लिए जो बलिदान दिया है उसका सम्पूर्ण भारतवासी हमेशा ऋणी रहेगा। कार्यक्रम में धन्यवाद व आभार ज्ञापन का कार्य संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ धर्मेन्द्र कुमार ने मिया ।कार्यक्रम का संचालन डॉ यशवन्त यादव, ने किया। कार्यक्रम में विश्व विद्यालय के शिक्षक डॉ आभ द्विवेदी, डॉ देवबख्स सिंह, डॉ मयंक कुमार कुशवाहा, डॉ सरिता सिंह, डॉ वन्दना गुप्ता, डॉ अरविन्द कुमार रावत सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

26/07/2022

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में व्याख्यान एवं देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

रणबाकुरों का बलिदान,

कपिलवस्तु (एसएनबी)। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष समारोह के क्रम में राजनीति विज्ञान विभाग एवं एन सी सी के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित करते हुए कार्यक्रम अध्यक्ष ड सत्येंद्र दुबे ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन का गौरवमयी इतिहास और भारत माता के अमर सेनानियों के गौरव गाथा के माध्यम से युवा पीढ़ी को जागृत करने का काम आजादी का अमृत महोत्सव कर रहा है। कारगिल विजय दिवस के माध्यम से भारत के अमर रणबांकुरों और सेना के वीर जवानों का त्याग बलिदान समर्पण निश्चित रूप से प्रत्येक भारतवासी को प्रेरित कर रहा है। कार्यक्रम को आजादी के अमृत महोत्सव की नोडल अधिकारी ड सुनीता त्रिपाठी ने विषय प्रस्तावना रखते हुए कहा कि लगभग साठ दिनों तक चले इस युद्ध में भारतीय सेना का अद्भुत शौर्य और पराक्रम का दुनिया ने खुली आंखों से प्रत्यक्ष रूप से देखा

कार्यक्रम को सबोधित करते सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी अविनास सिंह

सिद्धार्थ विवि समेत विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में हुई विचार संगोष्टी, जिला चिकित्सालय में कैंडल जलाकर शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

कारगिल के शहीद वीर सपूतों को किया नमन

विजय दिवस

सिद्धार्थनगर, हिन्दुस्तान टीम। कारगिल विजय दिवस के मौके पर जिले भर में वीर सपूतों को याद किया गया। विविध कार्यक्रमों के जरिए सभी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कारगिल युद्ध में अपने अद्वितीय शौर्य और पराक्रम से दुश्मन को धूल चटाने वाले सभी वीर सैनिकों की मातृ भूमि के प्रति निष्ठा और समर्पण को शत-शत नमन किया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष समारोह के क्रम में राजनीति विज्ञान विभाग एवं एनसीसी के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर व्याख्यान आयोजित हुआ। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ.सत्येंद्र दुबे ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन का गौरवमयी इतिहास और भारत माता के अमर सेनानियों के गौरव गाथा के माध्यम से युवा पीढ़ी को जागृत करने का काम आजादी का अमृत महोत्सव कर रहा है। कारगिल विजय दिवस के माध्यम से भारत के अमर रणबांकुरों और सेना के वीर जवानों का त्याग बलिदान समर्पण निश्चित रूप से प्रत्येक भारतवासी को प्रेरित कर रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. सुनीता त्रिपाठी, एनसीसी के सीटीओ डॉ.प्रदोस नाथ त्रिपाठी, सूचना जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया प्रभारी डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, वीर द्वितीय समेस्टर के विद्यार्थी कृष्णा कुमार व एमए द्वितीय समेस्टर के शंभू यादव ने भी अपने विचार रखे। इस बीच साकेत मिश्र ने शहीदों को नमन करते हुए श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत किया। संचालन कार्यक्रम संयोजक डॉ. सरिता सिंह ने किया। इस अवसर पर मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी डॉ. नीता यादव, डॉ. देवबक्स सिंह, डॉ. कपिल गुप्त, डॉ. संतोष सिंह, डॉ. मयंक कुशवाहा, डॉ. आभा द्विवेदी, डॉ. रेनू त्रिपाठी, डॉ. वंदना गुप्ता, डॉ. हदयकांत पांडेय, डॉ. अमित साहनी, डॉ. शरदेंदु त्रिपाठी, डॉ. धर्मेंद्र, डॉ. रविकांत शुक्ल, डॉ. यशवंत यादव उपस्थित थे।

सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु में मंगलवार को आयोजित गोष्टी में मंचासीन वक्ता।

असाधारण वीरता का गौरवशाली अध्याय है कारगिल विजय दिवस

जनपद मुख्यालय स्थित रघुकर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में कारगिल विजय दिवस का 23वां वर्षगांठ मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य राकेश मणि त्रिपाठी ने कहा कि कारगिल युद्ध जवानों की असाधारण वीरता का वह गौरवशाली अध्याय है। संयोजक राजेश कुमार सिंह, सांस्कृतिक प्रमुख वेंकटेश्वर, दिलीप ने विचार रखे।

बौद्ध संग्रहालय में ऑनलाइन छायाचित्र प्रदर्शनी

आजादी का अमृत महोत्सव एवं संग्रहालय की शिक्षा प्रसार सेवा अंतर्गत कारगिल विजय दिवस के अवसर पर राजकीय बौद्ध संग्रहालय पिपरहवा में ऑनलाइन छायाचित्र प्रदर्शनी, संग्रहालय भ्रमण एवं महात्मा बुद्ध से संबंधी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जहां स्वामी विवेकानंद स्कूल बर्डपुर के कुल 50 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभागिता की। समस्त प्रतिभागियों ने अभिरुचि पूर्वक महात्मा बुद्ध के जीवन से संबंधी दिए गए प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रथम पुरस्कार नैंसी चौरसिया, द्वितीय पुरस्कार स्मृतिता यादव, तृतीय पुरस्कार गरिमा चौबे, सान्त्वना पुरस्कार मीनाक्षी चौधरी एवं मैत्रेय दीप गौतम को मिला।

कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय के सभागार में विजय कारगिल दिवस के मौके पर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिला मंत्री डॉ. गोविंद प्रसाद ओझा की अगुवाई में विचार गोष्टी हुई। बाद में स्वास्थ्य कर्मियों ने एक-एक कैंडल जलाकर शहीदों को श्रद्धसुमन अर्पित किया। इस मौके पर फार्मासिस्ट ओम प्रकाश चौधरी, सुनील चौबे, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, विजय दुबे, रंजना जायसवाल, आरके सिहानिया, सुनील पांडेय, अशनी मिश्र, सिद्धार्थ शुक्ल, दिलीप पांडेय, प्रदीप कुमार आदि मौजूद रहे।

29/07/2022 अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर सिद्धार्थ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को बाघों के संरक्षण हेतु जागरूक किया गया।

आजादी का अमृत महोत्सव

दिनांक - 20/07/2022आजादी का अमृत महोत्सव तथा 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एच आर पीजी कॉलेज, संत कबीर नगर में आयोजित बैठक में जनपद के अशासकीय तथा स्ववित्तपोषित महाविद्यालय के प्राचार्यों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ सच्चिदानंद चौबे ।

दिनांक-23/07/2022
आजादी का अमृत महोत्सव तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एपीएन पीजी कॉलेज बस्ती में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करते हुए तथा जनपद के अशासकीय एवं स्ववित्तपोषित महाविद्यालय के प्राचार्यों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि डॉ रविकांत शुक्ल ।

दिनांक-25/07/2022
आजादी के अमृत महोत्सव तथा हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करते हुए तथा जनपद के महाविद्यालय के प्राचार्य को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के नामित प्रतिनिधि डॉ रवि कांत शुक्ला।

आजादी का अमृत महोत्सव
कार्यक्रम एवं गतिविधियां
रिपोर्ट - जून- जुलाई 2022

द्वारा- डॉ. सुनीत त्रिपाठी
नोडल अधिकारी
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ,
कपिलवस्तु ,सिद्धार्थनगर